



बहुत जुकाम हुआ नंदू को
एक रोज वह इतना छींका
इतना छींका, इतना छींका
इतना छींका, इतना छींका
सब पत्ते गिर पड़े पेड़ के
घोखा हुआ उन्हें आँधी का।

— रामनरेश त्रिपाठी





1. बताओ -

(क) तुमने पेड़ों से पत्तों को कब-कब गिरते हुए देखा है?

(ख) जब तुमको जुकाम होता है तब क्या होता है ?

(ग) आँधी आने पर क्या-क्या होता है ?

2. नीचे दिए गए शब्द सही जगह पर भरो -

(नंदू, लड़का, छींक, जुकाम, पेड़, जोर, पत्ते, आँधी, धोखा)

एक था। उसका नाम था। एक बार नंदू को बहुत हो गया। उसे आने लगीं। वह इतनी से छींका कि से सब गिर पड़े। पत्तों को हुआ कि आ गई है।

3. उदाहरण के अनुसार नए शब्द बनाओ -

छींका	छींकी	खाता
पीता	हँसता
चलता	बोलता
नाचता	पढ़ता

4. लिखो, जुकाम होने पर-
क्या करें ?

क्या न करें ?

.....
.....

5. कहानी पूरी करो -

एक था । वह बहुत था । उसका नाम
पड़ गया 'आक् छीं' । एक दिन गया दुकान में ।

..... ने पूछा क्या चाहिए ? ने किया 'आक्
छीं' । दुकानदार ने कहा यहाँ 'आक् छीं' नहीं मिलता । यहाँ
मिलती है

6. पढ़ो, समझो और लिखो-

नंदू	मच्छर	बिल्ली	छप्पर
.....
अच्छा	बच्चा	सच्चा	कच्चा
.....

7. पूरा करो-

पत्ता उड़ा । चला आसमान की ओर । ऊपर ही ऊपर । रास्ते में
पड़ा बाजार । पत्ते ने देखीं दुकानें चार-

एक फल की, एक फूल की, एक मिठाई की, एक की ।

रास्ते में पड़ा गाँव । गाँव में पेड़ों की छाँव । पेड़ों में कुछ नीम के,
कुछ आम के, कुछ बरगद के, कुछ के ।

बच्चों को बताएँ कि छींक आने पर मुँह पर रुमाल रखें । प्रश्न संख्या 7 में बच्चों से खाली
स्थान भरवाएँ । पत्ते ने उड़ते-उड़ते और क्या-क्या देखा होगा इस पर बातचीत करें ।